यूबीआई का **कार्यनीतिक** पर्यावरणीय अभिशासन और प्रबंधन

"

शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए, यूबीआई अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पेरिस जलवायु समझौते और संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित करेगा.

यूबीआई में, पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे दर्शन में गहराई से समाहित है. हम अत्याधुनिक तकनीक को संवहनीय प्रथाओं के प्रति दृढ़ समर्पण के साथ सहजता से एकीकृत कर रहे हैं. प्राकृतिक पूंजी के प्रति हमारा दृष्टिकोण एक सक्रिय रुख को दर्शाता है, जिसमें जलवायु जोखिमों को कम करने की अनिवार्यता और हरित पहलों को बढ़ावा देने के अवसर दोनों की पहचान शामिल है. यह मानसिकता हमारे पर्यावरणीय फूटप्रिंट को कम से कम करते हुए हमें अपने ग्राहकों और समुदायों को उनकी संवहनीयता यात्रा में सहायता प्रदान करने लिए प्रेरित करती है.

यूएनएसडीजी:

कार्यनीतिक स्तंभ:

1 2 3

कारोबार मॉडल कैनवास:

1 2 3 4 5 6

महत्वपूर्ण विषय

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18

जीआरआई संरेखण

201, 203, 205, 302, 303, 305, 306, 401, 403, 404, 406, 413, 418

यूनियन बैंक ने पर्यावरण नेतृत्व के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता दिखाई है, जिसका एक साहसिक लक्ष्य वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना है. यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य पेरिस जलवायु समझौते और संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजी) के वैश्विक मानकों के अनुरूप है. जलवायु परिवर्तन का समाधान करने और संवहनीय विकास को बढ़ावा देने के महत्व को पहचानते हुए, यूनियन बैंक ने अपनी पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं की देखरेख के लिए एक व्यापक अभिशासन संरचना स्थापित की है.

यह सुदृढ़ एवं बहुआयामी अभिशासन संरचना सुनिश्चित करती है कि बैंक की पर्यावरण संबंधी कार्यनीतियों को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया जाए तथा उनकी निगरानी की जाए. इस संरचना के प्रमुख घटकों में शेयरधारक संबंध समिति (एसआरसी) और जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) शामिल हैं, जो ईएसजी एवं जलवायु संबंधी जोखिमों दोनों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी), जिसमें कार्यपालक निदेशक तथा विभिन्न कारोबार वर्टिकल के प्रमुख शामिल हैं, जो बैंक के संवहनीयता की ओर परिवर्तन का मार्गदर्शन करने के लिए तिमाही आधार पर बैठक करती है. यह समिति बोर्ड को सिफारिशें प्रदान करती है और सुनिश्चित करती है कि बैंक के सभी वर्टिकल ईएसजी उद्देश्यों के अनुरूप हों.

इन अभिशासन तंत्रों को एकीकृत करके, यूनियन बैंक यह सुनिश्चित करता है कि उसका पर्यावरण संरक्षण केवल एक नीति न होकर, उसके परिचालन लोकाचार का एक मुख्य पहलू है, जो बैंक को एक संवहनीय और आघात-सह भविष्य की ओर ले जाता है.

₹23,059 करोड़

नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण: *नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए मंजूर कुल राशि.*

₹462 करोड़

इलेक्ट्रिक वाहन वित्तपोषण: *यूनियन ग्रीन माइल्स योजना के तहत मंजूर राशि.*

> यूबीआई में पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ नीति नहीं है, बल्कि हमारे परिचालन लोकाचार का एक मुख्य पहलू है, जो हमें एक संवहनीय एवं आघात-सह भविष्य की ओर ले जाता है.

पर्यावरण प्रतिबद्धता

जीआरआई

305 - उत्सर्जन प्रकटीकरण

शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए यूनियन बैंक के पर्यावरणीय लक्ष्यों और कार्यनीतियों का सारांश:

यूनियन बैंक वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है. इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी) के नेतृत्व में एक संरचित दृष्टिकोण के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है. ईएसजीएससी में कार्यपालक निदेशक और विभिन्न कारोबार एवं नियंत्रण वर्टिकल के प्रमुख शामिल हैं, जो ईएसजी परिवर्तनों पर चर्चा करने और अनुमोदन के लिए संबंधित समितियों को सिफारिशें प्रस्तुत करने हेतु तिमाही बैठक करते हैं. जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) तथा बोर्ड नियमित रूप से बैंक की प्रगति को अपडेट करते हैं.

ईएसजीएससी के संदर्भ की शर्तों में ईएसजी पहलों पर वर्टिकल का मार्गदर्शन करना, ईएसजी परिवर्तन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, कार्बन-तटस्थ बैंक बनने के लिए बैंक की परिवर्तन योजना को क्रियान्वित करना, कारोबारी माहौल पर ईएसजी प्रभावों की पहचान एवं निगरानी करना और बैंक के भीतर ईएसजी क्षमता का निर्माण करना शामिल है. इसके अतिरिक्त, सभी वर्टिकल ने ईएसजी तथा जलवायु जोखिम मामलों के लिए संपर्क के निर्दिष्ट बिंदु बनाए हैं, जो पूरे संगठन में सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हैं. यह दृष्टिकोण जीआरआई 305: उत्सर्जन मानक के अनुरूप है, जो ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन के प्रकटीकरण पर केंद्रित है. जीआरआई 305 का पालन करके, बैंक अपने उत्सर्जन की पारदर्शी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करता है, जवाबदेही का पालन करता है और अपने पर्यावरणीय कार्यनिष्पादन में निरंतर सुधार करता है. यह मानक बैंक के अपने कार्बन फूटप्रिंट को कम करने के लक्ष्य का समर्थन करता है और जो व्यापक पारिस्थितिकीय उद्देश्यों के अनुरूप है.

जीआरआई

305 - उत्सर्जन प्रकटीकरण

पेरिस जलवायु समझौते और यूएनएसडीजी के साथ संरेखण:

यूनियन बैंक की पर्यावरण संबंधी कार्यनीतियाँ अंतरराष्ट्रीय मानकों जैसे पेरिस जलवायु समझौते और संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजी) के साथ ध्यानपूर्वक संरेखित हैं. इन वैश्विक ढाँचों का पालन करके, बैंक यह सुनिश्चित करता है कि परिचालन से जलवायु परिवर्तन को कम करने और संवहनीय विकास को बढ़ावा देने में सकारात्मक योगदान दें. यह संरेखण विनियामक अनुपालन को पूरा करता है एवं बैंक को वैश्विक संवहनीयता प्रयासों में एक सक्रिय लीडर के रूप में स्थान देता है. इन मानकों को बैंक की कार्यनीतियों में एकीकृत करना एक संवहनीय भविष्य के लिए इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और पर्यावरण प्रबंधन में इसकी विश्वसनीयता तथा जवाबदेही को बढ़ाता है. यह व्यापक दृष्टिकोण बैंक की उत्सर्जन कटौती कार्यनीतियाँ वैश्विक पारिस्थितिक लक्ष्यों के साथ कैसे संरेखित होती हैं, इसका विवरण देकर जीआरआई 305: उत्सर्जन प्रकटीकरण आवश्यकता को संतुष्ट करता है.

जलवायु कार्यनीति और अभिशासन:

जलवायु-संबंधी जोखिम और अवसरों का प्रबंधन:

जीआरआई

102 - सामान्य प्रकटीकरण

यूनियन बैंक ईएसजी संचालन समिति पर केंद्रित एक सुदृढ़ अभिशासन ढांचे के माध्यम से जलवायु से संबंधित जोखिमों और अवसरों का प्रबंधन करता है. यह समिति जलवायु परिवर्तन से संबंधित भौतिक एवं परिवर्तन जोखिमों की पहचान, आकलन तथा समाधान करने में महत्वपूर्ण है. बैंक का मानना है कि जलवायु से संबंधित मुद्दे उसके कारोबार संभावनाओं, कार्यनीति और वित्तीय कार्यनिष्पादन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं. आघात-सहनीयता के लिए, बैंक उच्च-उत्सर्जन क्षेत्रों के लिए जोखिम की निगरानी करता है, हरित परियोजनाओं को ऋण देता है और क्षमता निर्माण में निवेश करता है. बैंक ने विशेष रूप से कठिनाई से कम होने वाले वाले क्षेत्रों में परिवर्तन वित्त को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में पहचाना है और इन क्षेत्रों के लिए केंद्रित उत्पाद विकसित कर रहा है. यह अभिशासन ढांचा जीआरआई 102: सामान्य प्रकटीकरण मानक के अनुरूप है, जिसके लिए संगठनों को समितियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों सहित अपने अभिशासन ढांचे के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता होती है.

यूबीआई की जलवायु कार्यनीति

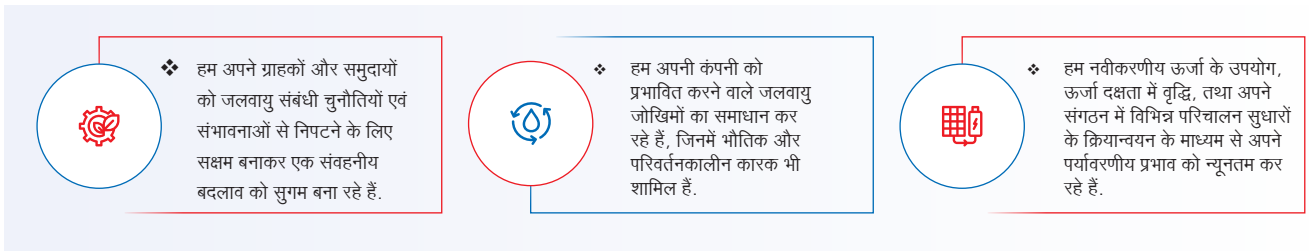

समितियों की अभिशासन संरचना और भूमिकाएँ:

पर्यावरण कार्यनीतियों के प्रबंधन के लिए यूनियन बैंक की अभिशासन संरचना में कई महत्वपूर्ण समितियाँ शामिल हैं. बोर्ड-स्तरीय समिति, शेयरधारक संबंध समिति (एसआरसी), सभी गैर-जोखिम वाले ईएसजी-संबंधित मामलों की देखरेख करती है और सीधे बोर्ड को रिपोर्ट करती है. बोर्ड की एक उप-समिति, जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी), ईएसजी और जलवायु जोखिम-संबंधित मामलों की देखरेख करती है. ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी) बैंक के ईएसजी परिवर्तन को आगे बढ़ाती है और कार्यनीतिक लक्ष्यों के साथ संरेखण सुनिश्चित करती है. शुद्ध-शून्य उत्सर्जन और संवहनीय वित्त जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर केंद्रित उप-समितियाँ इन प्रयासों का और समर्थन करती हैं. ईएसजीएससी ईएसजी पहलों पर विभिन्न वर्टिकल का मार्गदर्शन करती है, ईएसजी परिवर्तन के लिए सर्वोत्तम अभ्यास अपनाती है और बैंक के ईएसजी प्रभावों की निगरानी करती है. जीआरआई 102: सामान्य प्रकटीकरण मानक का पालन करके, यूनियन बैंक अपने अभिशासन कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, जो जलवायु-संबंधित जोखिमों और अवसरों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की अपनी समग्र कार्यनीति का समर्थन करता है.

जीआरआई

102 - सामान्य प्रकटीकरण

संवहनीय वित्तपोषण

उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं:

संवहनीय वित्त, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा में उपलब्धियों का विवरण:

यूनियन बैंक ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं पर बल देते हुए संवहनीय वित्तपोषण में महत्वपूर्ण प्रगति की है. वित्तीय वर्ष 2024 में, बैंक ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं जो कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन का समर्थन करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं. विशिष्ट उपलब्धियों में विभिन्न सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तपोषित करना शामिल है, जिन्होंने स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में योगदान दिया है.

उदाहरण के लिए, यूनियन बैंक ने 31 मार्च, 2024 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए रु.23,059 करोड़ मंजूर किए हैं. यह महत्वपूर्ण निवेश संवहनीय ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने के लिए बैंक के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है. इसके अतिरिक्त, यूनियन ग्रीन माइल्स योजना के तहत, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को वित्तपोषित करती है, बैंक ने रु. 462 करोड़ मंजूर किए हैं. ये उपलब्धियाँ जीआरआई 201: आर्थिक कार्यनिष्पादन मानक के अनुरूप हैं, जो किसी संगठन के स्थिरता प्रयासों के आर्थिक निहितार्थों एवं संवहनीय विकास की दिशा में किए गए वित्तीय योगदान पर बल देती हैं.

जीआरआई

201 - आर्थिक कार्यनिष्पादन

हरित वित्तपोषण के विस्तार हेतु वित्तीय वर्ष 2024 की योजना में लक्ष्य और उपलब्धियाँ:

भविष्य को देखते हुए, यूनियन बैंक ने अपने हरित वित्तपोषण संविभाग के विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं. बैंक का लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य संवहनीय परियोजनाओं में अपने निवेश को बढ़ाना है, जिससे उसके समग्र ऋण पोर्टफोलियो में हरित वित्तपोषण का अनुपात काफी बढ़ जाएगा. यह दूरदर्शी कार्यनीति बैंक के संवहनीय वित्तपोषण ढांचे में समाहित है, जिसे क्रिसिल ने द्वितीय पक्ष की राय के माध्यम से मान्य किया है. इस ढांचे में ग्रीन डिपॉजिट, ग्रीन बॉण्ड और संवहनीयता से जुड़े ऋण जैसे अभिनव वित्तीय उत्पाद शामिल हैं.

50%

नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग: *वर्ष नवीकरणीय स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति का लक्ष्य प्रतिशत*

8,466

शाखा नेटवर्क: *नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को एकीकृत करने वाली कुल शाखाएँ, जिनमें से 58% ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं.*

"

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को संवहनीय प्रथाओं के साथ सहजता से एकीकृत करके, यूबीआई जलवायु जोखिमों को कम करते हुए हरित पहलों को बढ़ावा देती है.

बैंक अपने संवहनीय वित्त प्रस्तावों को बढ़ाने के लिए समयबद्ध लक्ष्य भी निर्धारित कर रहा है. इसमें यूनियन ग्रीन होम लोन और यूनियन ग्रीन कॉर्पोरेट डिपॉजिट जैसे नए उत्पाद शुरू करना शामिल है, जो अपने ग्राहकों के बीच पर्यावरण की दृष्टि से संवहनीय प्रथाओं का समर्थन करने के लिए तैयार किए गए हैं. इन लक्ष्यों को एकीकृत करके, यूनियन बैंक का लक्ष्य अपनी संवहनीयता पहलों की वित्तीय व्यवहार्यता एवं आर्थिक प्रभाव को दर्शाते हुए जीआरआई 201: आर्थिक कार्यनिष्पादन आवश्यकताओं को पूरा करना है. ये उपाय संवहनीयता से संबंधित बैंक के आर्थिक कार्यनिष्पादन में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं, संवहनीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और ग्राहकों को उनके ईएसजी परिवर्तन में सहायता करने में इसकी भूमिका को उजागर करते हैं.

संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की कारोबार कार्यनीति एक समावेशी, संवहनीय पथ को अपनाती है, जो यह स्वीकार करती है कि पूंजी सकारात्मक परिवर्तन के लिए एक शक्ति हो सकती है. संवहनीयता के प्रति हमारा दृष्टिकोण हमारे ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाने और समुदाय की भलाई को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है. हम अपने सभी कारोबारों, उत्पादों और सेवाओं में जलवायु और संवहनीय वित्त विकास के अवसरों की पहचान करने, उन्हें गति देने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

परिवर्तन का वित्तपोषण

कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था में बदलाव नवाचार और विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है. यूनियन बैंक इस बदलाव का समर्थन करने के लिए जलवायु परिवर्तन से संबंधित वित्तपोषण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है. हम कम कार्बन क्षमता और सामर्थ्य का निर्माण करने के लिए नई हरित प्रौद्योगिकियों और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में निवेश कर रहे हैं. ग्राहकों और समुदायों को कम कार्बन, संवहनीय भविष्य हासिल करने में मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता में ऐसे उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करना शामिल है जो उनकी उभरती ज़रूरतों को पूरा करते हैं और अधिक संवहनीय एवं समावेशी समाधानों का समर्थन करते हैं.

नीचे दी गई तालिका नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को लक्षित करते हुए संवहनीय वित्तपोषण में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की उपलब्धियों को दर्शाती है

वित्तपोषण	वि.व. 2022 तक उपलब्धि	वि.व. 2023 तक उपलब्धि	वि.व. 2024 तक उपलब्धि
नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र	₹7,164 करोड़	₹10,370 करोड़	₹23,059 करोड़

ये उपलब्धियां संवहनीय वित्त के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को समर्थन देने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर राष्ट्र के परिवर्तन में सक्रिय रूप से योगदान दे रही है.

जलवायु जोखिम और हरित वित्त

जलवायु जोखिम प्रबंधन और हरित वित्त का एकीकरण

जलवायु जोखिम प्रबंधन को एकीकृत करने और हरित वित्त को बढ़ावा देने पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का कार्यनीतिक ध्यान संवहनीयता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. ये पहल जलवायु जोखिमों के प्रति बैंक की आघात-सहनीयता को बढ़ाती हैं और एक संवहनीय और समावेशी अर्थव्यवस्था के व्यापक लक्ष्य में योगदान देती हैं.

अपने पोर्टफोलियो और समग्र कारोबार मॉडल पर जलवायु परिवर्तन के महत्वपूर्ण प्रभाव को पहचानते हुए, यूबीआई ने अपनी कारोबार कार्यनीति और परिचालन में जलवायु जोखिम प्रबंधन को सक्रिय रूप से शामिल किया है. इसका समर्थन करने के लिए, यूबीआई ने एक सुदृढ़ ईएसजी जोखिम प्रबंधन ढांचा कार्यान्वित किया है जिसमें जलवायु से संबंधित जोखिमों की पहचान, आकलन, प्रबंधन और

जीआरआई

201 - आर्थिक कार्यनिष्पादन
302: ऊर्जा; 305: उत्सर्जन;
307: पर्यावरण अनुपालन;
और 301: भौतिक

प्रकटीकरण के लिए व्यापक प्रक्रियाएं शामिल हैं.

आईसीएमए, एलएमए, एपीएलएमए, एलएसटीए और भारतीय रिजर्व बैंक के ग्रीन डिपॉजिट्स पर दिशानिर्देशों के सिद्धांतों पर आधारित यह ढांचा जोखिम माप, आंतरिक नियंत्रण, जोखिम रिपोर्टिंग, मेट्रिक्स, लक्ष्य और प्रकटीकरण को कवर करता है. यूबीआई अपने पोर्टफोलियो और परिचालन में भौतिक और परिवर्तन दोनों जोखिमों का आकलन करता है, सेक्टर-स्तरीय हीटमैप और जिला-स्तरीय भौतिक जोखिम भेद्यता सूचकांक का उपयोग करता है. संपूर्ण मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए, ईएसजी और जलवायु जोखिम आकलन अब क्रेडिट मूल्यांकन प्रक्रिया में एकीकृत किए गए हैं.

यूबीआई ईएसजी स्कोरिंग, वित्तपोषित उत्सर्जन को मापने, भौतिक और परिवर्तन जोखिमों का आकलन करने एवं ग्राहक और पोर्टफोलियो दोनों स्तरों पर डीकार्बोनाइजेशन पथ विकसित करने में सहायता के लिए एक जलवायु जोखिम प्रबंधन समाधान भी कार्यान्वित कर रहा है. पोर्टफोलियो-स्तरीय विश्लेषण समग्र ऋण जोखिम प्रोफ़ाइल पर जलवायु जोखिम प्रभावों का आकलन करने में मदद करते हैं, बैंक ने क्षेत्रवार योगदानों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने तथा उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के लिए जोखिमों की निगरानी करने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपने वित्तपोषित उत्सर्जन की गणना की है.

1.11 मेट्रिक टन

प्रबंधित अपशिष्ट: *प्रबंधित ई-अपशिष्ट की कुल मात्रा*

उधार पोर्टफोलियो

ऋण देने का निर्णय लेते समय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कई पर्यावरणीय कारकों पर विचार करता है, जैसे कि पारिस्थितिकी मंजूरी, प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट निपटान और प्राकृतिक आवासों का संभावित नुकसान. ये विचार जैव विविधता एवं प्रकृति पर प्रतिकूल प्रभावों का निदान करने के लिए अभिन्न हैं. इसके अलावा, बैंक पर्यावरण एवं सामाजिक प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) के माध्यम से अपने ऋण परिचालन में पर्यावरणीय और सामाजिक विचारों को एकीकृत करने के लिए प्रतिबद्ध है. यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि बैंक की ऋण देने की प्रथाएँ संवहनीय विकास का समर्थन करती हैं और पर्यावरणीय एवं सामाजिक जोखिमों को कम करती हैं.

पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन प्रणाली (ईएसएमएस) फ्रेमवर्क फ्लो चार्ट

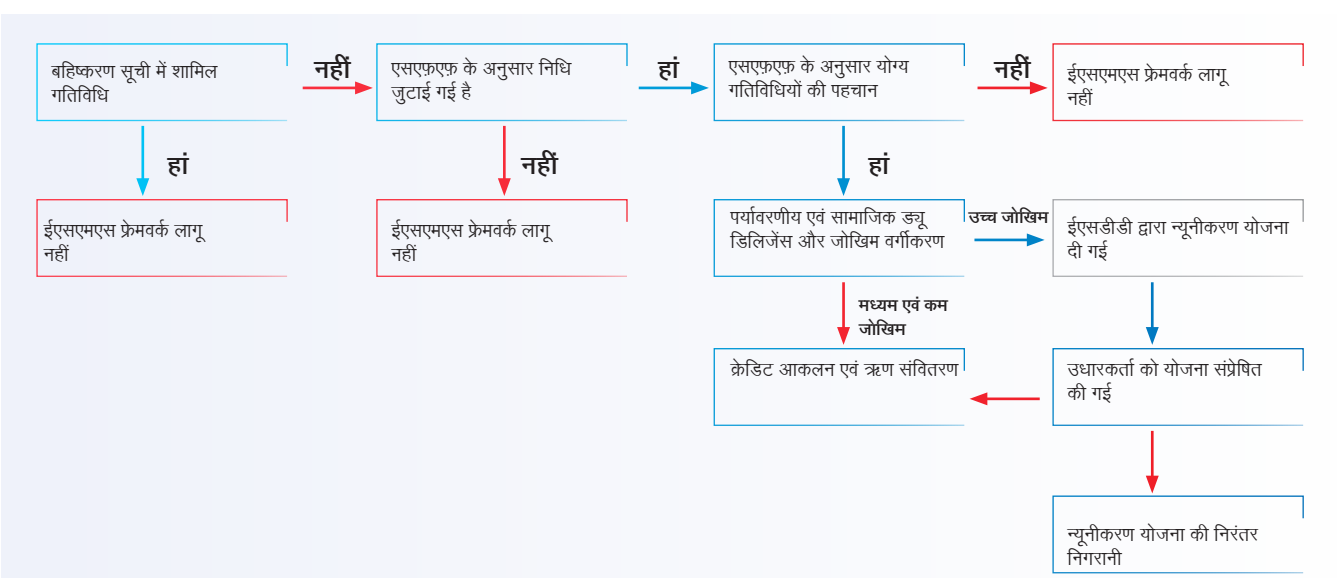

अभिशासन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) जलवायु जोखिम प्रबंधन को एकीकृत करने और हरित वित्त को बढ़ावा देने पर अपने कार्यनीतिक फोकस के माध्यम से संवहनीयता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. ये पहल जलवायु जोखिमों के प्रति बैंक की आघात-सहनीयता को बढ़ाती हैं और एक संवहनीय एवं समावेशी अर्थव्यवस्था में योगदान देती हैं.

बैंक में ईएसजी अभिशासन ढांचा

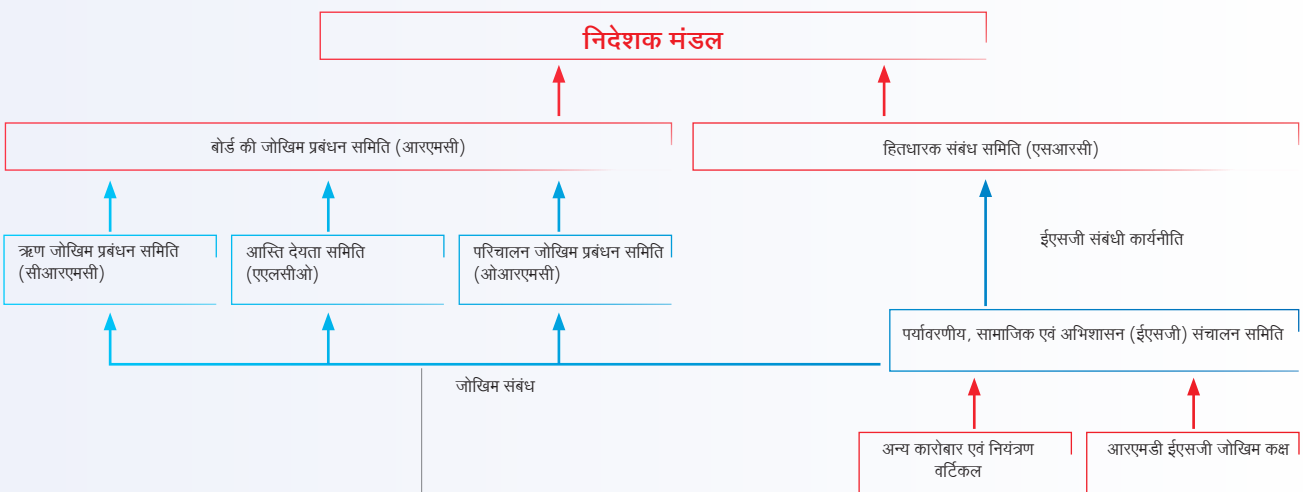

> “ जलवायु जोखिमों एवं अवसरों से निपटने के लिए यूबीआई का सक्रिय दृष्टिकोण वैश्विक संवहनीयता प्रयासों में हमारी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है.

बोर्ड अन्वेक्षा

यूबीआई ने जलवायु संबंधी जोखिमों एवं अवसरों की देखरेख और प्रबंधन के लिए एक सुदृढ़ अभिशासन संरचना स्थापित की है. बैंक का बोर्ड ईएसजी तथा जलवायु परिवर्तन जोखिम के प्रभाव का समाधान करने की आवश्यकता को पहचानता है. बोर्ड स्तर की समिति, शेयरधारक संबंध समिति (एसआरसी), सभी गैर-जोखिम ईएसजी-संबंधित मामलों का समाधान करती है और सीधे बोर्ड को रिपोर्ट करती है. बोर्ड की एक उप-समिति, जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी), बैंक के सभी ईएसजी और जलवायु जोखिम-संबंधी मामलों की देखरेख करती है.

प्रबंधन की भूमिका

यूबीआई ने बैंक में ईएसजी परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए कार्यपालक निदेशकों (ईडी) और कारोबार एवं नियंत्रण वर्टिकल के प्रमुखों वाली एक ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी) का गठन किया है. ईएसजी परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए ईएसजीएससी तिमाही बैठक करती है और अनुमोदन के लिए संबंधित समितियों को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करती है. आरएमसी और बोर्ड नियमित रूप से प्रगति को अपडेट करते हैं. ईएसजीएससी के संदर्भ की शर्तों में ईएसजी पहलों पर वर्टिकल का मार्गदर्शन करना, ईएसजी परिवर्तन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, कार्बन-शून्य बैंक बनने के लिए बैंक की परिवर्तन योजना को क्रियान्वित करना, कारोबारी माहौल पर ईएसजी प्रभावों की पहचान करना एवं निगरानी करना और बैंक के भीतर ईएसजी क्षमता का निर्माण करना शामिल है. सभी वर्टिकल ने पूरे संगठन में ईएसजी कार्यनीति के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए ईएसजी एवं जलवायु जोखिम से संबंधित मामलों के लिए संपर्क बिंदुओं की पहचान की है

उपसमितियां

अपने स्वयं के परिचालन में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन पर एक उप-समिति में बैंक के आईटी एवं परिचालन का प्रबंधन करने वाले वर्टिकल के प्रतिनिधि शामिल हैं. संवहनीय वित्त पर एक अन्य उप-समिति में इस क्षेत्र में बैंक के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए सभी ऋण वर्टिकल के सदस्य शामिल हैं.

नीतियां और ढांचा

यूबीआई ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी जोखिम ढांचा एवं जलवायु जोखिम नीति तैयार की है. जोखिम और अवसर संबंधी गतिविधियों का समाधान करने के लिए जोखिम प्रबंधन विभाग के तहत एक ईएसजी जोखिम सेल की स्थापना की गई है. सेबी द्वारा अधिसूचित अनुसार, यूबीआई कारोबार उत्तरदायित्व तथा संवहनीता रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) ढांचे के अनुसार अपने ईएसजी कार्यनिष्पादन का भी प्रकटीकरण करता है.

कार्यनीति

जलवायु-संबंधी जोखिम और अवसर

यूबीआई का मानना है कि जलवायु संबंधी मुद्दे उसके कारोबारी संभावनाओं, कार्यनीति और वित्तीय कार्यनिष्पादन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं. बैंक अल्पावधि, मध्यम अवधि और दीर्घावधि में जलवायु जोखिमों और अवसरों की पहचान करता है.

कारोबार, कार्यनीति और वित्तीय आयोजना पर प्रभाव

यूबीआई को उम्मीद है कि नीतियों, विनियमों, बाजार की भावना और जलवायु परिवर्तन के भौतिक जोखिमों में बदलाव से संबंधित परिवर्तन जोखिम उसके ऋण पोर्टफोलियो, ऋण जोखिम प्रोफ़ाइल और समग्र कारोबार कार्यनीति को प्रभावित करेंगे. आघात-सहनीयता के लिए, यूबीआई उच्च-उत्सर्जन क्षेत्रों के लिए जोखिम की निगरानी करता है, हरित परियोजनाओं को ऋण देता है और क्षमता निर्माण में निवेश करता है. बैंक ने परिवर्तन वित्त में विशेष रूप से कठिनाई से कम होने वाले क्षेत्रों को एक अवसर के रूप में पहचाना है और इन क्षेत्रों के लिए केंद्रित उत्पादों पर काम कर रहा है. यूबीआई का लक्ष्य कार्यनीतिक रूप से संवहनीयता वित्त में अवसरों को हासिल करना है और समर्पित हरित ऋण उत्पाद विकसित किए गए हैं. यह कारोबार के एक नए द्वार के रूप में ईएसजी सलाहकार सेवाओं का भी पता लगा रहा है.

कार्यनीति की आघात-सहनीयता

यूबीआई ने अपनी ऋण हामीदारी अंकन प्रक्रिया में भौतिक और परिवर्तन जोखिमों का आकलन करना शुरू कर दिया है और अपने आईसीएएपी में ईएसजी एवं जलवायु जोखिम को शामिल किया है. बैंक अपनी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं तथा कारोबार नियोजन में ईएसजी विचारों को और अधिक एकीकृत करने की योजना बना रहा है. यूबीआई अपनी कार्यनीति को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित करने के लिए जिम्मेदार बैंकिंग के सिद्धांतों जैसी प्रमुख पहलों के लिए साइन-अप करने का इरादा रखता है.

जोखिम प्रबंधन

जलवायु-संबंधी जोखिमों की पहचान और आकलन की प्रक्रियाएँ

यूबीआई ने जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों की पहचान, आकलन, निगरानी एवं प्रबंधन के लिए ईएसजी जोखिम प्रबंधन ढांचा तैयार किया है. यह ढांचा जोखिम माप, आंतरिक नियंत्रण, जोखिम रिपोर्टिंग तथा निगरानी, मेट्रिक तथा लक्ष्य, एवं प्रकटीकरण को कवर करने वाले पांच-आयामी दृष्टिकोण को अपनाता है. बैंक अपने पोर्टफोलियो और परिचालन में भौतिक तथा परिवर्तन दोनों जोखिमों के प्रभाव का आकलन करता है. सेक्टर-स्तरीय हीटमैप उद्योगों को उनके जलवायु जोखिम के आधार पर रैंक करते हैं, और संपार्श्विक की भौगोलिक अवस्थिति को जिला-स्तरीय भौतिक जोखिम भेद्यता सूचकांक में मैप किया जाता है. प्रतिपक्ष स्तर पर, यूबीआई ने ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में ईएसजी और जलवायु जोखिम आकलन को शामिल करना शुरू कर दिया है.

जलवायु-संबंधी जोखिमों के प्रबंधन की प्रक्रियाएँ

यूबीआई ईएसजी स्कोरिंग, वित्तपोषित उत्सर्जन को मापने, भौतिक एवं परिवर्तन जोखिमों का आकलन करने तथा ग्राहक और पोर्टफोलियो स्तरों पर डीकार्बोनाइजेशन मार्ग विकसित करने में सहायता के लिए एक जलवायु जोखिम प्रबंधन समाधान कार्यान्वित कर रहा है. समग्र ऋण जोखिम प्रोफ़ाइल पर जलवायु जोखिम के प्रभाव का आकलन करने के लिए पोर्टफोलियो-स्तरीय विश्लेषण किया जाता है. यूबीआई ने वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु पूरे ऋण पोर्टफोलियो के लिए अपने वित्तपोषित उत्सर्जन की गणना की है, जो क्षेत्रवार योगदानों के बारे में जानकारी प्रदान करता है. जलवायु जोखिम मूल्यांकन के हिस्से के रूप में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के जोखिमों की निगरानी की जाती है.

> यूबीआई जलवायु जोखिमों एवं अवसरों को सक्रिय रूप से समाधान करके संवहनीयता के पथ पर आगे बढ़ता है, एक आघात-सहनीयता एवं समावेशी भविष्य के लिए हमारी मुख्य कारोबारी कार्यनीतियों में ईएसजी सिद्धांतों को शामिल करता है.

समग्र जोखिम प्रबंधन में एकीकरण

जलवायु जोखिम को यूबीआई की आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएएपी) में एकीकृत किया गया है. बैंक ने गतिशील तुलन पत्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए ग्राहक स्तर पर जलवायु दबाव परीक्षण के लिए क्षमताएं विकसित की हैं, जिसमें टॉप-डाउन और बॉटम-अप दबाव परीक्षण पद्धतियों का मिश्रण शामिल है. यूबीआई का लक्ष्य अपने उद्यम जोखिम प्रबंधन ढांचे में जलवायु जोखिम विचारों को उत्तरोत्तर शामिल करना है. जलवायु संबंधी व्यवधानों के प्रति यूबीआई के कारोबार मॉडल के आघात-सहनीयता का मूल्यांकन करने हेतु दबाव परीक्षण ढांचे को मजबूत किया जा रहा है.

"

जलवायु जोखिम प्रबंधन एवं हरित वित्त के प्रति यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का सक्रिय दृष्टिकोण परिचालन संवहनीयता एवं पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

मेट्रिक्स और लक्ष्य

जलवायु-संबंधी जोखिम और अवसरों का आकलन करने के लिए मेट्रिक्स

यूबीआई जलवायु जोखिमों के प्रति अपने जोखिम का आकलन करने और ईएसजी पर प्रगति की निगरानी करने के लिए कई मेट्रिक्स को ट्रैक करता है. अपने बीआरएसआर प्रकटीकरण के हिस्से के रूप में, बैंक अपने स्वयं के परिचालन से स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन की रिपोर्ट करता है, साथ ही ऊर्जा खपत, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग, जल खपत और अपशिष्ट प्रबंधन पर मेट्रिक्स भी देता है. पोर्टफोलियो स्तर पर, बैंक ने पीसीएएफ पद्धति को अपनाते हुए और प्रत्येक उधारकर्ता के जोखिम आकार के आधार पर उत्सर्जन आबंटित करते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपने वित्तपोषित उत्सर्जन की गणना की है. यूबीआई का लक्ष्य स्कोप 1, 2 और 3 श्रेणियों में वित्तपोषित उत्सर्जन का क्षेत्रवार विवरण प्रदान करके और डेटा परिपक्वता स्तर को बढ़ाकर इस गणना को बढ़ाना है.

भौतिक और परिवर्तन जोखिम माप

यूबीआई जिला स्तर पर संपार्श्विक की भेद्यता का आकलन करके और अपने परिचालन पर चरम मौसम की घटनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करके भौतिक जोखिमों के प्रति अपने जोखिम को मापता है. परिवर्तन जोखिमों को क्षेत्र-स्तरीय उत्सर्जन तीव्रता विश्लेषण एवं जलवायु नीति और प्रौद्योगिकी बदलावों के लिए उधारकर्ता-स्तर की भेद्यता के आकलन के माध्यम से मापा जाता है.

लक्ष्य

यूबीआई ने एक संवहनीय वित्त नीति तैयार की है और क्रिसिल से द्वितीय पक्ष की राय प्राप्त की है, जो इस क्षेत्र में इसके लक्ष्य निर्धारण तथा उत्पाद विकास प्रयासों का मार्गदर्शन करती है. बैंक वर्तमान में अपने संवहनीय वित्त के पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करने पर कार्य कर रहा है. यूबीआई अपने परिचालन में कार्बन शून्य बनने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों के साथ काम कर रहा है. बैंक अपने परिसर को हरित भवनों में परिवर्तित कर रहा है, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ा रहा है और अपने स्कोप 1 और 2 जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए ऊर्जा दक्षता बढ़ा रहा है.

हरित वित्त पहल

हरित वित्त में यूबीआई की पहल प्राकृतिक पूंजी के संरक्षण और बहाली का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई है. नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और संवहनीय आदतों को वित्तपोषित करके, बैंक का लक्ष्य अपने पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करना और आघात-सह, संवहनीय समुदायों के विकास को बढ़ावा देना है.

यूबीआई अपने संवहनीय वित्तपोषण फ्रेमवर्क के माध्यम से कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है. क्रिसिल की द्वितीय पक्ष राय द्वारा मान्य इस फ्रेमवर्क में संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और पेरिस समझौते के साथ संरेखित हरित और सामाजिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने वाले विभिन्न उत्पाद शामिल हैं. यह फ्रेमवर्क ग्रीन बॉन्ड, रुपी ग्रीन डिपॉजिट और अन्य ग्रीन वित्तीय उत्पादों को जारी करने में सक्षम बनाता है. बैंक की हरित वित्तपोषण पहलों में शामिल हैं:

यूनियन रूफ टॉप सोलर योजना: व्यक्तिगत घरों के लिए रूफटॉप सोलर इंस्टालेशन का वित्तपोषण.

यूनियन ग्रीन माइल्स योजना: व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट्स के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का वित्तपोषण, मार्च, 2024 तक ₹ 462 करोड़ मंजूर किए गए.

यूनियन सोलर योजना: छत और जमीन पर स्थापित सौर इकाइयां सेटअप करने के लिए एमएसएमई और कारोबारों को वित्तपोषित करना.

पीएम कुसुम योजना: नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के वित्तपोषण के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना.